# Result Mitra Daily Magazine

# रूस का नया संशोधित परमाणु सिद्धांत

## हालिया संदर्भ :

- हाल ही में मंगलवार (19 नवंबर) को रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने रूस की परमाणु नीति में बदलाव को मंजूरी देने के लिए रूस की नई परमाणु सिद्धांत पर हस्ताक्षर किया है।
- रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन की अपनी संशोधित नई परमाणु सिद्धांत पर हस्ताक्षर रूस द्वारा यूक्रेन में अपनी सेना भेजने के 1000 दिन बाद किया है।
- ज्ञातव्य है कि रूस द्वारा यूक्रेन में सेना भेजने की शुरुआत 24 फरवरी 2022 को की गई थी।

## रूस ने अब अपनी संशोधित परमाणु सिद्धांत की घोषणा क्यों की है ?

- रूस द्वारा अपनी नई संशोधित परमाणु नीति की घोषणा इसी वर्ष सितंबर माह में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के उस निर्णय के बाद आया, जिसमें जो बाइडेन ने अमेरिका द्वारा यूक्रेन को आपूर्ति की गई लंबी दूरी की ATACMS (Army Technical Missile System) मिसाइलों से रूस के अंदर लक्ष्यों पर हमला करने की अनुमति दी गई थी।
- इसी वर्ष 25 सितंबर को अमेरिका द्वारा आपूर्ति की गई ATACMS मिसाइल का यूक्रेन द्वारा रूस पर दागने के बाद रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने अपने नए परमाणु सिद्धांत के प्रमुख बिंदुओं के बारे में सार्वजनिक रूप से बात की थी।

## रूस की नई परमाणु सिद्धांत की प्रमुख बिंदु क्या है ?

- रूस नई रूसी परमाणु सिद्धांत से पहले रूस का परमाणु सिद्धांत जून 2020 में राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन द्वारा जारी छह पृष्ठ की आदेश के जरिए स्थापित किया गया था।
- रूस द्वारा जून 2020 में स्थापित अपनी परमाणु सिद्धांत में कहा गया था कि अगर रूस या उसके सहयोगी देशों पर कोई शत्रु देश परमाणु हथियार सहित अन्य विनाशकारी हथियारों से हमला करता है, जिससे रूस के अस्तित्व का खतरा उत्पन्न होता है तो ऐसी स्थिति में रूसी संघ अपने परमाणु हथियारों का उपयोग करने का अधिकार रखता है।
- रूस द्वारा नई संशोधित परमाणु सिद्धांत में परमाणु हथियारों को युद्ध निवारण के साधन के रूप में वर्णित किया गया है।

- अपने इस संशोधित परमाणु सिद्धांत में रूस ने घोषणा की है कि रूस परमाणु खतरे को कम करने एवं अपने अंतर–राज्यीय संबंधों को बिगड़ने से रोकने के लिए सभी आवश्यक प्रयास करेगा, जिसके तहत परमाणु हमला भी शामिल है।
- रूस की इस नई संशोधित परमाणु सिद्धांत का मुख्य उद्देश्य रूस की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करना सहित युद्ध की स्थिति में संभावित परमाणु हमले को रोकना है।
- रूस की इस नई संशोधित परमाणु सिद्धांतों में निम्न परिस्थितियों में रूस द्वारा परमाणु हमले की बात कही गई है :–

1. यदि रूस और उसके सहयोगी देशों के क्षेत्रों को लक्ष्य करके बैलिस्टिक मिसाइलों का प्रक्षेपण किया जाता है।
2. यदि परमाणु हथियार या अन्य विनाशकारी हथियारों से रूस या उसके सहयोगी देशों के क्षेत्रों पर हमला किया जाता है।
3. विदेशों में स्थित रूसी सैन्य इकाइयों या प्रतिष्ठानों पर हमला।
4. रूस या बेलारूस के खिलाफ पारंपरिक हथियारों से हमला।
5. यदि रूस को सामरिक विमानों, क्रूज, मिसाइलों, ड्रोनो, हाइपरसोनिक या अन्य उड़ने वाले वाहनों का रूसी सीमा पार करने के विश्वासनीय जानकारी प्राप्त होती है तो ऐसी परिस्थिति में रूस प्रक्षेपित करने वाले उपरोक्त हथियारों का प्रयोग करने वाले देशों के खिलाफ परमाणु हमला कर सकता है।

## रूस का परमाणु हथियार एवं अन्य परमाणु संपन्न देश :

- SIPRI (Stockholm International Peace Research Institute) की वर्ष 2024 की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में विश्व के कुल 9 देशों के पास कुल मिलाकर 12,121 परमाणु हथियार है।
- इन 9 देशों में रूस सर्वाधिक परमाणु हथियार रखने वाले देशों में शीर्ष पर है।

### ➢ रूस :

- SIPRI के नवीनतम आंकड़े के अनुसार जनवरी 2024 तक रूसी संघ के पास लगभग 4,380 परमाणु हथियार उनके शस्त्रागार में है।
- इन परमाणु हथियारों में 2,822 हथियार रणनीतिक रूप से तैनात है जबकि लगभग 1,710 परमाणु हथियारों को जल एवं थल आधारित बैलिस्टिक मिसाइलों, बमवर्षक विमानों के लिए तैनात रखा गया है।

### ➢ संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) :

- SIPRI की रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी 2024 तक के आंकड़े के अनुसार अमेरिका, रूस के बाद दूसरा सबसे ज्यादा परमाणु हथियार रखने वाला देश है।
- जनवरी 2024 तक अमेरिका के पास 3,708 परमाणु हथियारों का भंडार था।
- इन परमाणु हथियारों में 1,670 सामरिक एवं 100 परमाणु हथियार गैर सामरिक दृष्टि से विभिन्न ठिकानों पर रणनीतिक तौर पर तैनात है।

## ➢ चीन :

- SIPRI के आंकड़े के अनुसार जनवरी 2024 तक परमाणु हथियार के मामले में विश्व का तीसरा सबसे बड़ा देश है, जिसके पास कुल 500 परमाणु हथियार है।

## ➢ फ्रांस :

- SIPRI के नवीनतम आंकड़े के अनुसार जनवरी 2024 तक फ्रांस के पास कुल 290 परमाणु हथियारों का भंडार है।
- इन परमाणु हथियारों में 48 पनडुब्बी लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइलों (SLBM) और 50 एयर लॉन्च क्रूज मिसाइलों (ALCM) द्वारा संचालन के लिए रणनीतिक रूप से तैयार है।

## ➢ यूनाइटेड किंगडम :

- SIPRI के अनुसार जनवरी 2024 तक यूके के पास कुल 225 परमाणु हथियार है।
- इनमें से लगभग 120 परमाणु हथियार वारहेड के साथ रणनीतिक रूप से तैनात है।

## ➢ भारत :

- SIPRI के अनुसार जनवरी 2024 तक भारत के पास कुल 172 परमाणु हथियारों का जखीरा है।

## ➢ पाकिस्तान :

- SIPRI के अनुसार जनवरी 2024 तक पाकिस्तान के शस्त्रागार में कुल अनुमानित 170 परमाणु हथियारों का जखीरा है।

## ➢ इजरायल :

- SIPRI के अनुसार जनवरी 2024 तक इजरायल के पास कुल 90 परमाणु हथियारों का जखीरा है।

Result Mitra TM

## ➢ उत्तर कोरिया :

- उत्तर कोरिया का परमाणु कार्यक्रम अत्यधिक गोपनीय परमाणु हथियार कार्यक्रम है।
- SIPRI के अनुमान के अनुसार जनवरी 2024 तक दक्षिण कोरिया के पास लगभग 50 परमाणु हथियारों का जखीरा है।

## ATACMS मिसाइल :

- ATACMS मिसाइल जिसे MGM–140 आर्मी टैक्टिकल मिसाइल सिस्टम के नाम से जाना जाता है, एक सुपरसोनिक मिसाइल है।
- यह मिसाइल USA द्वारा निर्मित है, जिसकी रेंज लगभग 300 km है।
- वर्तमान में अमेरिकी निर्मित इस ATACMS मिसाइल का उपयोग अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया, मोरक्को, रोमानिया, ग्रीस, तुर्की, पोलैंड, यूक्रेन और UAE कर रहा है।

Result Mitra